



बाजरा किस्म की अधिक उत्पादन हेतु सुझाव

कान्हा - 888

शिखर-101





ये किस्में पोष्टिता से भरपूर इसका पौधा 6-8 फीट ऊंचाई वाला, तना मोटा व मजबूत, ठोस बेलनाकार सिट्टा, दाना बोल्ड व चमकदार, डाऊनी मिल्डयु रोग के प्रति सहनशील और अधिक उत्पादन देने वाला बाजरा है।



जलवायु व भूमि

गर्म व शुष्क जलवायु की आवश्यकता और रेतिली दोमट जिसमे जल ठहराव ना हो। ऐसी भूमि उचित उत्पादन हेतु चाहिये।



बुवाई का समय व बीज की मात्रा

बुवाई का समय - 15 जून से जुलाई माह।

बीज उपचार - कम्पनी बीज उपचारित ही वितरित करती है।

बीज की मात्रा - 1.5 से 2 किग्रा प्रति एकड़।



खाद एवं उर्वरक

5-7 टन गोबर की सड़ी हुई खाद खेत की तैयारी से पूर्व खेत में मिलायें। सिंचाई की उपलब्धता वाले क्षेत्र में 90 किग्रा यूरिया, 50 किग्रा डी.ए.पी. व 125 किग्रा सिंगल सुपर फॉस्फेट प्रति एकड़ व वर्षा आधारित क्षेत्र में 50 किग्रा यूरिया, 27 किग्रा डी.ए.पी. व 70-75 किग्रा सिंगल सुपर फॉस्फेट प्रयोग करें। मिट्टी की जांच के अनुसार अगर जिंक व पोटैश की कमी पाई जाती है तो आवश्यकतानुसार दें। नाइट्रोजन की आधी मात्रा व फॉस्फेट की पूरी मात्रा बुवाई के समय व आधी नाइट्रोजन सिंचाई या बरसात होने पर दें।

सिंचाई व उत्पादन

सिंचाई - 2 सिंचाईयां प्राप्त है।

उत्पादन- उन्नत कृषि विधियां अपनाकर किसान कान्हा-888 की 10-12 क्विं. प्रति एकड़ उपज ली जा सकती है।



टिप्पणी

ऊपर दी गयी सलाह हमारे अनुभवए फील्ड ट्रायल एवं अनुसंधान केन्द्रों पर किये गये प्रयोगों पर आधारित है। लेकिन प्राकृतिक कारण जैसे जलवायुए भूमि का प्रकार एवं कृषि पतियों के कारण उपरोक्त जानकारी में अन्तर हो सकता है। बीज की गुणवत्ता के अलावा हम किसी तरह की गारन्टी नहीं ले सकते। क्योंकि अन्य परिस्थितियाँ हमारे नियंत्रण से बाहर है। ऊपर दी गई जानकारी किसान भाईयों की समृद्धि और सफलता के लिए है।

